[This question paper contains 3 printed pages.]

*आपका अनुक्रमांक* .....

364 B

**B.A. (Programme)/II Sem.**

**(T)**

HINDI DISCIPLINE—Paper B

**हिन्दी अनुशासन**—प्रश्नपत्र B

(कथा एवं संस्मरण साहित्य)

(प्रवेश वर्ष 2011 और तत्पश्चात्)

*समय* : 3 *घण्टे* *पूर्णांक* : 75

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

1. निम्नलिखित काव्यांशों की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 6

(क) हीन भएँ जल मीन अधीन कहा कछु मो अकुलानि समानै।
नीर सनेही को लाय कलंक निरास है कायर त्यागत प्रानै॥
प्रीति की रीति सु क्यौं समझै जड़ मीत के पानि परे को प्रमानै।
या मन की जु दसा घनआनंद जीव की जीवनि जान ही जानै॥

**अथवा**

मानुष हौं तो वही रसखानि बसौं ब्रज गोकुल गाँव के ग्वारन।
जो पशु हौं तो कहा बस मेरो चरौं नित नंद की धेनु मंझारन॥
पाहन हौं तो वही गिरि को जो धरयो कर छत्र पुरन्दर धारन।
जो खग हौं तो बसेरो करौं मिलि कालिंदी कूल कदम्ब की डारन॥

[P. T. O.

(ख) परहित सरिस धर्म नहि भाई। पर पीड़ा सम नहि अधमाई॥
निर्नय सकल पुरान बेद कर। कहेउँ तात जानहि कोविद नर॥
नर सरीर धरि जे पर पीरा। करहि ते सहहिं महा भव भीरा॥
करहि मोह बस नर अघ नाना। स्वारथ रत परलोक नसाना॥

**अथवा**

कहा मानसर चाह सो पाई। पारस रूप इहाँ लगि आई॥
भा निरमल तिन्ह पायँन्ह परसे। पावा रूप रूप के दरसे॥
मलय समीर बास तन आई। या सीतल, भै तपनि बुझाई॥
न जनौ कौन पौन लेइ आवा। पुन्य दसा भै पाप गंवावा॥

6

2. दिए गए निर्देशों के अनुसार किन्हीं **दो** का रचना कौशल बताइये (150 शब्दों में) 6 + 6

(क) **निर्देश : भक्ति का स्वरूप**

कबीर यहु घर प्रेम का, खाला का घर नाहिं।
सीस उतारै हाथि करि, सो पैसे घर मांहि॥

(ख) **निर्देश : परिवेश-चित्रण**

वे न इहाँ नागर, बढ़ी जिन आदर तो आब।
फूल्यौ अनफूल्यौ भयौ गँवई-गाँव, गुलाब॥

(ग) **निर्देश : चित्रात्मकता**

फाग के भीरे अभीरन तें गहि गोबिंद लै गयी भीतर गोरी।
भाई करी मन की पद्माकर ऊपर नाई अबीर की झोरी॥
छीन पितंबर कंमर तें सु बिदा दई मीड़ि कपोलन रोरी।
नैन नचाइ कह्यो मुसकाइ लला फिरि आइयौ खेलन होरी॥

(घ) **निर्देश : शिल्पगत विशेषताएँ**

चरन कमल बंदौ हरिराई।

जाकी कृपा पंगु गिरि लंघै अंधे कूं सब कछु दरसाई॥

बहिरौ सुनै मूक पुनि बोलै रंक चलै सिर छत्र धराई।

सूरदास स्वामी करुनामय बार बार बंदौं तेहि पाई॥

3. 'सूरदास का वात्सल्य वर्णन बेजोड़ है' इस कथन की व्याख्या कीजिए। 8

**अथवा**

'घनानंद 'प्रेम की पीर' के कवि हैं'। इस कथन की समीक्षा कीजिए।

4. मीरा की भक्ति के स्वरूप का विवेचन कीजिए। 8

**अथवा**

बिहारी की काव्यकला की विशेषताएँ बताइये।

5. पद्मावत में व्यक्त सूफी दर्शन की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। 12

**अथवा**

'रैदास की काव्य भाषा' पर एक लेख लिखिए।

6. आदिकाल **अथवा** रीतिकालीन काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियों का विवेचन कीजिए। 12

7. संत काव्य धारा (ज्ञानमार्गी शाखा) **अथवा** राम भक्ति शाखा की विशेषताओं का विश्लेषण कीजिए। 11